Duration : 60 Min.
Total Ques. : 50
Paper Type : H 1

An ISO 9001:2015 Certified Organization

GLOBAL COMPETITION SOCIETY

8
CLASS

ग्लोबल हिन्दी ओलम्पियाड

fuEufyf[kr i'uk d mRrj nhft,%

1- ftl dk vfLRo gkrk g ;k gku dh dYiuk dh tk ldrh g] ml D;k dgr g\
(क) संज्ञा (ख) वस्तु
(ग) क्रिया (घ) वि लेशण
(ड.) इनमें से कोई नहीं

2- oLrqvk d uke crku oky 'kCn D;k g\
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) वि ेशण (घ) प्रत्यय
(ड.) इनमें से कोई नहीं

3- ^fxfj'k^ 'kCn dk lf/k&foPNn D;k gkxk\
(क) गिर + ई ा (ख) गिरि + ई ा
(ग) गिरी + इ ा (घ) गिर + इस
(ड.) इनमें से कोई नहीं

4- ^mUufr dk lf/k&foPNn D;k gkxk \
(क) उत् + नति (ख) उन + नति
(ग) उन् + नती (घ) उन्न + ती
(ड.) इनमें से कोई नहीं

5- ^vKku^ 'kCn e dku lk mil x yxk g \
(क) अन् (ख) अ
(ग) ज्ञान (घ) न
(ड.) इनमें से कोई नहीं

6- ^voufr^ e mil x D;k g \
(क) अव (ख) अ
(ग) ति (घ) अन्
(ड.) इनमें से कोई नहीं

fuEufyf[kr x|k'k dk i<dj i'u l[;k 7 l 10 rd d i'uk d mRrj nhft,%

"लोक कथाएँ हमारे आम जीवन में सदियों से रची–बसी है। इन्हे अपने बड़े–बूढ़ों से बचपन से ही सुनते आ रहे है। लोक कथाओ के बारे में यह भी कहा जाता है कि बचपन के शुरूआती वर्षो में बच्चों को अपने परिवेश की महक, सोच कल्पना की उड़ान देने के लिए इनका उपयोग जरूरी है। हम यह भी सुनते हैं कि बच्चों की भाषा के विकास के सदर्भ में इन कथाओं की उपयोगिता महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि इन लोक कथाओं के विभिन्न रूपों में हमें लोक जीवन के तत्व मिलते हैं जो बच्चों के भाषा के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। अगर हम अपनी पढ़ी हुई लोक कथाओं को याद करें तो सहजता से हमें इनके कई उदाहरण मिल जाते है। जब हम कहानी सुना रहे होते हैं तो बच्चों से हमारी यह अपेक्षा रहती है कि वे पहले घटी हुई घटनाओं को जरूर दोहरायें। बच्चे भी घटना को याद रखते हुए साथ–साथ मजे से दोहराते हैं। इस तरह कथा सुनाने की इस प्रक्रिया में बच्चे इन इन घटनाओं को एक क्रम में रखकर देखते हैं। इन क्रमिक घटनाओं में एक तर्क होता है जो बच्चों के मनोभावों से मिलता–जुलता है।

7- ykd dFkkvk e 'kkfey g
(क) लोक कल्पना (ख) लोक जीवन के रंग
(ग) लोक की उड़ान (घ) घटनाएँ
(ड.) इनमें से कोई नहीं

8- ykd dFkkvk e fdl ifjo'k dh egd dh ckr dh xb g\
(क) बच्चों के आस–पास मौजूदा परिवे ा की
(ख) भाहरी परिवे ा की
(ग) विद्यालयी परिवे ा की
(घ) ग्रामीण परिवे ा की
(ड.) इनमें से कोई नहीं

9- vuPNn d vk/kkj ij dgk tk ldrk g fd bl dk e[; fcUn g&
(क) लोक कथाओं में लोक तत्व होता है
(ख) लोक कथाओं के माध्यम से कल्पना, तर्क और विकास किया जा सकता है
(ग) कहानी में याद रखना जरूरी है
(घ) लोक कथाएं हमारे जीवन का हिस्सा हैं
(ड.) इनमें से कोई नहीं

10. ^ifjo'k dh egd^ in dk vFk g
(क) परिवे ा की गंध
(ख) परिवे ा की वि ाश्टताएँ, सीमाएँ
(ग) परिवे ा की कहानियाँ
(घ) परिवे ा की खु ाबू
(ड.) इनमें से कोई नहीं

i'u l[;k 11 l 17 rd i'uk dk /;kuiwod i<dj mudk mÙkj nhft,%

11- ^eu% $ cy^ dh lf/k D;k gksxh\

(क) मनबल (ख) मनुबल
(ग) मनौबल (घ) मनोबल
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

12- ^;'k% $ xkFkk^ dh lf/k D;k gksxh\

(क) य ागाथा (ख) य ुगाथा
(ग) य ौगाथा (घ) य ोगाथा
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

13- ^jko.k^ dh lgh lf/k g \

(क) रौ + वण (ख) रा + वण
(ग) रो + वण (घ) र + आवण
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

14- ^Jko.k^ dh lgh lf/k D;k g \

(क) श्रो + अन् (ख) श्रौ + अन्
(ग) श्रु + अन (घ) श्रू + अन्
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

15- ^ipkuu^ 'kCn e dku&lk lekl g\

(क) तत्पुरूश (ख) द्विगु
(ग) द्वन्द्व (घ) बहुब्रीहि
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

16- ^egkRek^ 'kCn e dku&lk lekl g\

(क) अव्ययीभाव (ख) कर्मधारय
(ग) द्वन्द्व (घ) द्विगु
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

17- ^ik.kfi;^ e dku&lk lekl g \

(क) तत्पुरूश (ख) कर्मधारय
(ग) द्विगु (घ) द्वन्द्व
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

18- ^cnÅ x: in ine ijkxk] l:fp lokl ljl vujkxk^

(क) अनुप्रास (ख) भलेश
(ग) वक्रोक्ति (घ) यमक
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

19- fdl 'kCn dk i;kx lnk cgopu e gkrk g \

(क) आँसू (ख) प्राण
(ग) (क) व (ख) दोनों (घ) विसर्ग
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

20- ^'kfDr d mikld^ d fy, ,d 'kCn D;k gksxk \

(क) भाक्ति (ख) भााक्त
(ग) भाकि ााली (घ) भाक्तिवान
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

21- ^egkRlo^ e dku&lh lf/k g \

(क) स्वर (ख) व्यंजन
(ग) विसर्ग (घ) तथैव
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

22- ^rikou^ e dku&lh lf/k g \

(क) स्वर (ख) व्यंजन
(ग) विसर्ग (घ) तथैव
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

23- ^dih'k^ dk lf/k&foxg g&

(क) कप + ई ा (ख) कपि + इ ा
(ग) कपि + ई ा (घ) कपि + ा
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

24- vfr $ vr dh lf/k D;k gksxh \

(क) अतींत (ख) अत्यंत
(ग) अतिन्त (घ) अत्येंत
(ङ.) इनमें से कोई नहीं

25- ftu 'kCnk e fdlh idkj dk fodkj ;k ifjoru ugh gkrk] mlk D;k dgr g \

(क) धातु (ख) मूल भाब्द
(ग) तत्सम (घ) अव्यय
(ङ.) इनमें से कोई नहीं